प्रेस विज्ञप्ति

ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर, बिलासपुर चौक, गुड़गाँव– 4 जून 2009

वर्तमान समय में, जैसे कि बापदादा ने भी इस सीज़न में कहा है, भय, रोग, तनाव, दुःख, अशान्ति आदि बढ़ते जा रहे हैं। अतः मानव आत्माओं की नब्ज को पहचान वही दें, उतना ही दें जिसकी उन्हें आवश्यकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए 'माइन्ड मैटर्स' विषय पर दो दिन (31 मई–1 जून) का सेमीनार एवं वर्कशॉप का आयोजन ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में हुआ। इसमें सारे भारत से समर्पित लगभग 100 उन भाई–बहनों ने भाग लिया जो रूचि से सेवाओं में सक्रिय हैं।

डॉ. अवधेश शर्मा, मनोचिकित्सक, उनकी युगल डा. सुजाता शर्मा– मनोविज्ञान विशेषज्ञ एवं परमर्शदाता तथा उनकी पुत्री मानसी– मनोविज्ञान की विशेषज्ञ ने समूचे रूप में मानसिक रोगों की सही जानकारी दी। यह भी समझाया कि किन स्थितियों में आध्यात्मिक ज्ञान व परामर्श ही प्र्याप्त है तथा किन स्थितियों में मनोचिकित्सक की सलाह एवं उपचार लेना अनिवार्य है। परिचर्चा में भाग लेने वाले भाई बहनों ने अपने निजी कला कौशल एवं सेमीनार से प्राप्त ज्ञान का भी पूरा प्रदर्शन किया।

सेमीनार बहुत ही सफल रहा। कार्यक्रम से सम्बन्धित वी.सी.डी. एवं एम.पी.–3 भी उपलब्ध कराई गई।

सादर प्रकाशनार्थ,

निदेशिका,
ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर